आज का पुरुषार्थ 6 May 2023

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

सार – *"हम राजयोगियों की मनोदशा (मुड) कैसे होनी चाहिए? योगयुक्त ... रूहानियत से भरपूर .. परमात्मम प्रेम में मगन "*

हम सभी **देवकुल** की आत्मायें है। और हमारे **संस्कार** भी देवकुल वालों जैसे ही है अब भी। देवताओं जैसे। परन्तु किसी किसी का मुड सारे दिन में कई बार बदलता रहता है।

बाबा के सुप्रीम कैमरे (camera) में भी आपके हर तरह की मुड के फोटोस (photos) निकलते रहते है। अगर आप देखना चाहो तो बाबा दिखा सकते है .. सारे दिन में कभी कैसा मुड, कभी कैसा मुड।

योगियों का मुड कैसा होना चाहिए? योगयुक्त। चेहरे पर **शान्ति, खुशी, प्रेम, अपनापन, सबके लिए शुभ-भावनायें, दुआयें, सम्पूर्ण पवित्रता** .. यह चेहरे से झलकनी चाहिए।

लेकिन, जो मुड बदलते रहते है, बाबा उनको क्या कहते होंगे? तो हम सबको अपने मुड को एकरस बनाना है। बातें तो आती रहती है।

किसी ने कुछ **कह दिया**, हमने खुशी के बजाय नाराजगी का मुड बना लिया। कोई **परिस्थिति** आ गई, चिन्ताओं का मुड बना लिया।

भिन्न-भिन्न मुड बदलते है। हमें **एकरस** होना है। हम सिखेंगे कि योगयुक्त जीवन से ज्ञान युक्त होकर हम अपने मुड को एकरस कैसे रखें?

जो एक **परमात्मा के रस** में रहने लगते है, उनकी स्थिति, उनका मुड भी एकरस हो जाता है। तो हम विचार करेंगे, हमारे मुड बदले नहीं।

सवेरे उठकर ही हम स्वयं को **चार्ज** कर देंगे। अपना चेहरा दर्पण में देख लेना, स्थूल दर्पण में भी .. रूहानियत से भरपूर है?

बाबा भी कहते थे →

शीशे के पास जाकर जैसे चेहरा देखते हो, तो रूहानियत को भी चेक करो। रूहानियत भी दिखाई देगी। कभी चेहरे पर तेज होगा, चमकता होगा। कभी

डालनेस होगी। कभी किसी बीमारी का इफेक्ट (effect) होगा। कभी अगले दिन की संकल्पों का इफेक्ट होगा, किसी के व्यवहार का इफेक्ट होगा।

डिफारेन्ट मुड होते है। तो **रूहानियत** से भरा हुआ चेहरा, एक ही मुड, परमात्मम प्यार में मग्न, उनके रंग में रंगा हुआ चेहरा। ऐसा मुड हमें अपना बनाना है।

तो सवेरे-सवेरे उठते ही सुन्दर विचारों से अपने को चार्ज करेंगे। यह बात जितनी बार आप याद करे उतना अच्छा होगा। क्योंकि रोज़ सवेरे जब मनुष्य उठता है तो क्या होता है? उसका मुड आप देख ले ..

कभी सुस्ति का मुड, कभी अलवेलेपन का, ढीले संकल्पों का .. थोड़ा और सो लूं, थोड़ा करवटे बदल लूं, अभी रिफ्रेश नहीं हूँ, नींद पूरी नहीं हुई है।

सोचना यह है, बाबा अपना सबकुछ देने के लिए मेरी इन्तजार कर रहे है →

" उठो मेरे बच्चे .. मुझसे कनेक्ट हो जाओ .. और यह सबकुछ जो चाहिए वह ले लो मेरे से .. अधिकार से कह दो "

इसको मांगना नहीं कहते। यह अधिकार होता है। जैसे बच्चे माँ बाप से कुछ मांगते है, उसे मांगना नहीं कहते, वह अधिकार की बात होती है।

तो सवेरे उठकर ही अपना मुड खुशियों से भर ले। बहुत अच्छी स्थिति बना ले। पवित्रता का वरदान ले ले। निश्चिंत जीवन का, **बेफ़िक्र बादशाह** रहने का बाबा से आशीर्वाद ले ले।

तो हमारा मुड निरन्तर बहुत ही **सुन्दर** रहेगा। सवेरे-सवेरे जैसे हमारी जीवन की गाड़ी को हम एक सुन्दर पटरी पर सेट कर दे। सुन्दर ट्रैक पर ले आये .. तो सारा दिन automatically हमारी जीवन रूपी गाड़ी, ट्रेन उस ट्रैक पर दौड़ती रहेगी। कुछ भी देखना नहीं पड़ेगा।

अपने मुड को ऐसा रखे कि →

हमें देखकर दूसरे लोग भी **प्रसन्न** हो जाये। हमें देखकर दूसरे की चिन्तायें भी लोप हो जाये। हमें देखकर दूसरे भी भगवान से जुड़ जाये।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Main: www.shivbabas.org